No such specific proposal has been received by the Government in the recent past.

(c) Food Processing Industries are listed in Annex III of the Statement on Industrial Policy tabled in both Houses of Parliament on 24th July, 1991 and , accordingly, automatic approval from the Reserve Bank of India can be obtained for direct foreign investment upto 51 per cent equity in this sector without any bottlenecks. Other foreign equity proposals including proposals involving more than 51 per cent foreign equity can also be considered by Government under the normal procedure on merit.

चूड़ी उद्योग

2050. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर** : क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चूड़ी उद्योग के कामकाज को सरल तथा बेहतर बनाने और उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए किसी तकनीक का विकास किया गया है ;

(ख) इस उद्योग में रोबाट के प्रयोग की क्या संभावनायें हैं ;

(ग) इस तकनीक से कितने कुटीर उद्योगों के लाभान्वित होने की संभावना है ; और

(घ) इस संबंध में और क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०जे० कुरियन) : (क) कांच की चूड़ियों के उद्योग में उत्पादन की लागत घटाने के वास्ते तकनीक को सरल बनाने और उसमें सुधार करने हेतु सरकार, अर्ध-सरकारी अथवा किसी अन्य संगठन द्वारा कोई व्यापक कार्य आरंभ नहीं किया गया है । फिर भी समय के साथ-साथ कांच मिश्रण विकसित करने, उष्मसह पात्रों, चूड़ी बनाने के रोलरों और सजावट की तकनीकों का कुछ विकास किया गया है और उद्योग ने उन्हें अपनाया भी है । यह विकास व्यक्तिगत स्तर पर किया गया है अथवा राज्य/केंद्र सरकार के उद्योग विकास संगठनों के परामर्श से हुआ है ।

(ख) चूंकि इस उद्योग में उत्पादन का मूल्य बंधन कम होता है और इसमें अधिक श्रमिकों को रोजगार मिलने की संभावना रहती है विशेषत: इसीलिए कांच की चूड़ियां बनाने के काम में रोबोटों का उपयोग किए जाने की संभावना पर विचार नहीं किया गया है । कांच उद्योग में केवल बड़े और पूर्णतया स्वचालित संयंत्रों में रोबोटों का उपयोग लाभकारी हो सकता है ।

(ग) रोबोटों के उपयोग से लघु और कुटीर उद्योगों को लाभ होने की संभावना नहीं है ।

(घ) चूड़ियां सहित कांच की अनेक वस्तुयें बनाने वाला फिरोजाबाद का कांच उद्योग पुराने तरीके से ही काम कर रहा है । आसान तकनीकों का विकास करने, सस्ती लागत वाले विभिन्न किस्म के कांच बनाने, कम ईंधन से जलने वाली भट्टियों का विकास करने तथा पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण को बढ़ावा देने की दृष्टि से आधुनिक तरीकों के अनुसार कांच उद्योग का विकास करने हेतु एक परियोजना प्रलेख तैयार किया गया है । यह परियोजना यू.एन.डी.पी. की सहायता से फिरोजाबाद में स्थापित की जाएगी जिसकी लागत 10.05 करोड रुपए होगी । परियोजना को भारत सरकार और यू.एन.डी.पी. द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है और यह कार्यान्वयन की उन्नत अवस्था में है ।

Recognition to All India Site Employee Union by EPI

2051. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the reasons for withholding recognition to a duly registered All India Site Employees Union affiliated